द बिशप्स को-एड स्कूल, उँड्री

स्वतंत्रता दिवस की पचहत्तरवीं वर्षगाँठ का अमृत महोत्सव (२०२२)

विवरण

"दे सलामी इस तिरंगे को,
जिस से तेरी शान है ।
सर हमेशा ऊँचा रखना इसका,
जब तक दिल में जान है।"

15 अगस्त 1947 को हमारा भारत ब्रिटिश शासन से मुक्त होकर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया। स्वतंत्रता दिवस का दिन हमारे देश के इतिहास में अत्यंत गौरवमय दिन है। 15 अगस्त 1947 को अनमोल प्रकाश लेकर सूर्य उदय हुआ था और भारत की कोटि- कोटि जनता स्वतंत्रता की मस्ती में झूम उठी थी। यही कारण है कि 15 अगस्त को हम मुक्ति पर्व के रूप में मनाते हैं। स्वतंत्रता दिवस भारत के स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने के लिए मनाया जाता है। जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी।

इस वर्ष भारत गौरवशाली स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगाँठ बड़े ही धूमधाम से मना रहा है। हमारे विद्यालय में भी राष्ट्रीय पर्व को 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। पूरे विद्यालय को केसरिया, सफ़ेद और हरे रंग की सजावट से सजाया गया। ये रंग चारों ओर विजय, शांति और खुशहाली का संदेश दे रहे थे। चारों ओर चहल-पहल थी।

कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय के मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी द्वारा बाइबल वाचन के साथ किया गया। तत्पश्चात जूनियर स्कूल की पर्यवेक्षिका श्रीमती फर्नांडीस ने ईश्वर की प्रार्थना की। विशेष प्रार्थना का वाचन हमारे स्कूल के प्रतिनिधि छात्र अरमान कुट्टी द्वारा किया गया।

तथा " Where the mind is without fear " का वाचन स्कूल की प्रतिनिधि छात्रा वर्धनी गुजराती के द्वारा किया गया।
तदोपरांत हमारे स्कूल के प्रधानाचार्य श्रीमान जूलियन लूक जी के करकमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा सम्मानपूर्वक सलामी देते हुए राष्ट्रगान गाया गया और आकाश में गुब्बारे छोड़े गए। इस तरह चारों ओर हर्षोल्लास का माहौल छाया। जूनियर कॉलेज की समन्वयिका श्रीमती डॉ. बेग ने देश के प्रति प्रतिज्ञा ली।

कक्षा दसवीं की छात्रा डोना सिंह ने स्वतंत्रता दिवस पर हिंदी भाषा में प्रभावशाली भाषण दिया। इसके पश्चात जूनियर कॉलेज के छात्र वेदांत पौडवाल ने अंग्रेज़ी भाषा में स्वतंत्रता दिवस पर भाषण दिया। साथ ही साथ जूनियर कॉलेज की छात्रा दीथी गांधी ने देश भक्ति पर अंग्रेज़ी भाषा में काव्य वाचन किया ।
कक्षा नौवीं की छात्रा निया दुबे ने देश भक्ति पर हिंदी भाषा में ओजस्वी काव्य वाचन किया। तत्पश्चात स्कूल के मुख्याध्यापक श्रीमान रसल जी ने स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संदेश दिया।
कार्यक्रम के अंत में बड़े ही मनमोहक ढंग से माध्यमिक स्कूल छात्रों ने देश भक्ति पर एक गीत प्रस्तुत किया। गीत के बोल थे " ऐ वतन मेरे वतन आज़ाद रहे तू " इस गीत ने सबके मन में देश के प्रति उत्साह तथा जोश पैदा किया। पूरे वातावरण में चार चाँद लग गए। इसी गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।
अंत में मैं कहना चाहता हूँ --
मैं भारत वर्ष का हर दम सम्मान करता हूँ ,
यहाँ की मिट्टी का ही गुणगान करता हूँ।
मुझे चिंता नहीं है, स्वर्ग जाकर मोक्ष पाने की ,
तिरंगा हो कफन मेरा, बस यही अरमान रखता हूँ।

(सुरेंद्र सिंह)

फोटो 1. देश भक्ति गीत

फोटो **2**. गार्ड ऑफ ऑनर

फोटो 3 मुख्याध्यापक श्रीमान राल्फ रसल द्वारा बाइबल वाचन

फोटो 4. जूनियर स्कूल की पर्यवेक्षिका श्रीमती एम. फर्नांडीस द्वारा ईश्वर की प्रार्थना ।

फोटो 5. स्कूल के प्रधानाचार्य श्रीमान जूलियन लूक का अभिनंदन ।

फोटो 6. ध्वजारोहण तथा राष्ट्रीय गीत।

फोटो 7. प्रधानाचार्य श्रीमान जूलियन लूक, जूनियर स्कूल की परिवेक्षिका श्रीमती एम. फर्नांडीस ,जूनियर कॉलेज की समन्वायिका श्रीमती डॉक्टर बैग और जूनियर स्कूल की समन्वायिका श्रीमती मंजू मारियन तथा श्रीमती पिल्ले, मिडिल स्कूल समन्वायिका श्रीमती खंडेलवाल महोत्सव का आनंद लेते हुए।